उपरोक्त परिस्थितियों में कश्मीर व जम्मू को अलग राज्य बनाना तथा लेह-लद्दाख को यू.टी. घोषित किया जाना बहुत ही न्यायसंगत है। वैसे भी, इस प्रदेश में कश्मीर व जम्मू में पहले से ही विधान मंडल भवन, सिववालय, प्रशासनिक कार्यालय आदि जो भी नये राज्य के लिए जरूरी व्यवस्थाएँ होती हैं, विद्यमान हैं और पूरे जम्मू-कश्मीर व लेह-लद्दाख में बसने वाले लोग इस तर्कसंगत विवार से पूर्णतया सहमत हैं।

अतः मैं आपके माध्यम से केन्द्र व जम्मू-कश्मीर की सरकार से यह अनुरोध करता हूँ कि वे अविलम्ब जम्मू व कश्मीर को अलग राज्य बनाने तथा लेह-लद्दाख को यू.टी. बनाने की घोषणा करें।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Ambeth Rajan, not here. Shri Y.S. Chowdary, not here. Shri Ram Kripal Yadav, not here. Shrimati Gundu Sudharani, not here. Shri Parshottam Khodabhai Rupala.

Demand for setting up an effective mechanism to curb the sale of spurious medicines in the country

SHRI PARSHOTTAM KHODABHAI RUPALA (Gujarat): Sir, due to increase in various diseases in masses, rising population, there is an increase in demand for various medicines, which results in availability of duplicate medicines in the market which severely impacts human health. Due to lack of awareness about duplicate medicines and drugs, people are buying medicines from the market. Further, pharmaceutical companies are also increasing their production capacities without any control or clearance from any Government agency. Due to the increase in demand for generic drugs, the gap between demand and supply has also increased. As per the World Bank report, 35 per cent of medicines are produced in our nation and thousands of crores of duplicate medicines are also manufactured in our nation.

Due to lack of proper mechanism to trace out duplicate medicines, precious human lives are in danger. I request the Central Government to take urgent fruitful action at the earliest so as to curb these activities in consultation with the State Governments.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri C.M. Ramesh, not here. Shri Chaudhary Munavver Saleem.

Demand for instituting an inquiry and taking strict action against officials responsible for custodial deaths of prisoners belonging to minority community in Tihar Jail recently

चौधरी मुनब्बर सलीम (उत्तर प्रदेश): महोदय, भारतवर्ष दुनिया में मानवीय सम्वेदनाओं और मानवाधिकारों के रक्षक के रूप में पहचाना जाता है। इसी के साथ, मेरे देश को यह गौरव प्राप्त है कि इसमें अक़ल्लीयतों की तादाद किसी मुस्लिम मुल्क से ज्यादा है और हमारा संविधान अल्पसंख्यक समुदाय के संरक्षण और हिफाज़त के प्रति प्रतिबद्धता का इज़हार करता

[चौधरी मुनव्वर सलीम]

है। किन्तु पिछले दिनों जावेद नामक युवक की तिहाड़ जेल में मौत ने एक सवाल खड़ा कर दिया है, जिसके संबंध में मैंने गृह मंत्री, भारत सरकार से दिनांक 7-5-2013 को शिकायत कर हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया था। अफसोस की बात यह है कि उसी तिहाड़ जेल में चंद माह पश्चात दिनांक 10-8-2013 को एक और मौत नदीम नामक नौजवान की हुई है। मैं इन निर्मम हादसों के कारण बहुत दुखी हूं और इंसाफ चाहता हूं। महोदय, मैं भारत सरकार से इस संबंध में संज्ञान लेने की मांग करते हुए कार्यवाही कर दोषी अधिकारियों और अपराधियों के विरुद्ध आपराधिक मुकदमें बनाए जाने की मांग करता हूं।

महोदय, मैं उम्मीद करता हूं कि मानवीय मूल्यों और अल्पसंख्यकों के संरक्षण के प्रति बार-बार प्रतिबद्धता प्रकट करने वाली केन्द्र सरकार इस संबंध में हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की दिशा में कदम उठाएगी, ताकि पूरी दुनिया में भारत की निष्पक्ष छवि कायम हो। एक शेर के साथ मैं अपनी बात का अंत करता हूं:

> "वो कत्ल भी करते हैं तो चर्चा नहीं होती, हम आह भी भरते हैं तो हो जाते हैं बदनाम"

बहुत-बहुत शुक्रिया, धन्यवाद।

† [چودھری منور سلیم (اتر پردیش): مہودے، بھارت ورش دنیا میں مانوئے سمویدناؤں اور مانو۔ادھیکاروں کے رکشک کے روپ میں پہچانا جاتا ہے۔ اسی کے ساتھہ، میرے دیش کو یہ گورو حاصل ہے کہ اس میں اقلیتوں کی تعداد کسی مسلم ملک سے زیادہ ہے اور ہمارا سنودھان الپ۔سنخیک سمودائے کے سنرکشن اور حفاظت کے پرتی، پرتی۔بدّھتا کا اظہار کرتا ہے۔ لیکن پچھلے دنوں جاوید نامی شخص کی تہاڑ جیل میں موت نے ایک سوال کھڑا کر دیا ہے، جس کے سمبندھہ میں، میں نے گرہ منتری، بھارت سرکار سے بتاریخ 2013-5-7 کو شکایت کر دخل دینے کا انورودھہ کیا تھا۔ افسوس کی بات یہ ہے کہ اسی تہاڑ جیل میں چند ماہ بعد بتاریخ 2013-8-10 کو ایک اور موت ندیم نامی نوجوان کی ہوئی ہے۔ میں اس نرمم حادثوں کے کارن بہت دکھی ہوں اور انصاف چاہتا ہوں۔

مہودے، میں بھارت سرکار سے اس سمبندھہ میں سنگیان لینے کی مانگ کرتے ہوئے کاروائی کر دوشی ادھیکاریوں اور اپرادھیوں کے خلاف اپرادھک مقدمے بنائے جانے کی مانگ کرتا ہوں۔

مہودے، میں امید کرتا ہوں کہ مانوئے۔مولیوں اور الپ-سنخیکوں کے سنرکشن کے پرتی بار بار پرتی۔بدھہ پرکٹ کرنے والی کیندر سرکار اس سمبندھہ مین ہستکشیپ کر

[†]Transliteration in Urdu Script.

نیائے دلانے کی دشا میں قدم اٹھائے گی، تاکہ پوری دنیا میں بھارت کی نشپکش چھوی قائم ہو۔ ایک شعر کے ساتھہ میں اپنی بات کا خاتمہ کرتا ہوں:
وہ فتل بھی کرتے ہیں تو چرچا نہیں ہوتی
ہم آہ بھی بھرتے ہیں تو ہو جاتے ہیں بدنام
بہت بہت شکریہ، دھنیواد۔

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House stands adjourned till $11.00\ \text{P.M.}$ on Monday, 19th August, 2013.

The House then adjourned at forty-five minutes past five of the clock till eleven of the clock on Monday, the 19th August, 2013.